राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–prrajbhavan@gmail.com
मो॰–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल ने पटना म्यूजियम का परिभ्रमण किया

पटना, 13 जून 2018

आज महामहिम राज्यपाल ने पटना म्यूजियम का परिभ्रमण किया एवं यहाँ उन्होंने 'महात्मा गाँधी और चम्पारण' विषयक विशेष प्रदर्शनी के साथ–साथ, प्राकृतिक इतिहास दीर्घा, भूगर्भ दीर्घा, बुद्ध अस्थिकलश दीर्घा, पं॰ राहुल सांकृत्यायन दीर्घा, कला दीर्घा, नेपाली कांस्य कलाकृति दीर्घा, डेनियल प्रिन्ट गैलरी, डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद दीर्घा और पाटलिपुत्र दीर्घा आदि का अवलोकन करते हुए यहाँ संग्रहित विभिन्न ऐतिहासिक–पुरातात्विक प्रदर्शों को देखा। 1917 में स्थापित पटना म्यूजियम की राज्यपाल ने भूरि–भूरि प्रशंसा की।

महामहिम राज्यपाल ने कहा कि पटना म्यूजियम की संग्रहालयों की दुनियाँ में काफी प्रतिष्ठा है एवं यहाँ संग्रहित सभी ऐतिहासिक पुरातात्विक वस्तुएँ बिहार की गौरवमय दुर्लभ ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासतों का परिचय देती हैं। राज्यपाल ने आगन्तुक पंजी में लिखा कि– ''इसे 'Mother of all museums of Bihar' कह सकते हैं।'' उन्होंने कहा कि संग्रहालय में सभी वस्तुओं का संधारण अत्यन्त सफाई और करीने से किया गया है तथा सभी संग्रहित प्रदर्शों के बारे में बेहतर रूप में सूचनाएँ अंकित हैं। उन्होंने यहाँ के तकनीकी सहायकों, शोधकर्त्ताओं एवं संग्रहालयाध्यक्ष की भी सराहना की।

संग्रहालयाध्यक्ष ने संग्रहालय परिभ्रमण के दौरान राज्यपाल को 1930 में स्थापित 'प्राकृतिक इतिहास दीर्घा' दिखाते हुए कहा कि इसमें विलुप्त हो रहे पशु–पक्षियों की कई प्रजातियों की सच्ची प्रतिकृतियाँ संग्रहित हैं। बाघ, चीता, ग्राह, बैल आदि की सच्ची प्रतिकृतियाँ यहाँ उपलब्ध हैं। भूगर्भ दीर्घा में राज्यपाल को लकड़ी से पत्थर बन गए जीवाश्म वृक्ष एवं अन्य खनिजों को भी दिखाया गया।

संग्रहालय में राज्यपाल ने 'बुद्ध अस्थिकलश दीर्घा' भी देखी, साथ ही पं॰ राहुल सांकृत्यायन द्वारा तिब्बत से लाये गए कई बौद्ध–साहित्य का भी उन्होंने अवलोकन किया। कई बौद्ध–ग्रंथों की पांडुलिपियाँ तथा 'बज्रयान' से प्रभावित नेपाली कांस्य कलाकृतियाँ भी राज्यपाल को यहाँ दिखाई गई। 'कला दीर्घा' में अष्टधातु की कई कलाकृतियाँ, हाथी–दाँत की वस्तुएँ, सीवान के मिट्टी–वर्त्तन, बेल्जियम के हुक्कावेश आदि भी राज्यपाल ने देखे। पेंटिंग दीर्घा में अजन्ता, पारसी, मुगल, राजस्थानी पेंटिंग एवं पटना कलम की भी पेंटिंग राज्यपाल श्री मलिक को दिखाई गईं।

पटना संग्रहालय में संग्रहित प्रथम विश्वयुद्ध के समय की बंदूकों तथा मुगल काल के सैनिकों के युद्ध–परिधानों को देखने में भी राज्यपाल ने अभिरूचि ली।

राज्यपाल ने डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद दीर्घा में राष्ट्रपति काल के दौरान राजेन्द्र बाबू को मिली विभिन्न देशी–विदेशी उपहार–सामग्रियों को देखा। उन्होंने डेनियल दीर्घा में भारत के प्राचीन भवनों की प्रतिकृतियों को भी देखा।

पटना म्यूजियम के परिभ्रमण के दौरान राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह भी उपस्थित थे। परिभ्रमण के दौरान संग्रहालयाध्यक्ष डॉ॰ शंकर सुमन, अपर निदेशक डॉ॰ विमल तिवारी, शोध सहायक डॉ॰ शिवकुमार मिश्र, तकनीकी सहायक मनीष कुमार, डॉ॰ रीता कुमारी, डॉ॰ अमिताभ राय आदि ने राज्यपाल को संग्रहालय के बारे में व्यापक जानकारियाँ दी।

.....